MP Board Class 10th Sanskrit Solutions Durva Chapter 12 वर्षावर्णनम्

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत-(एक पद में उत्तर लिखिए-)।
(क) समुदीर्णवेगाः के प्रवान्ति? (बहुत वेग से कौन बहती है?)
उत्तर:
वाताः (वायु)

(ख) वर्षाकाले शिखिनः किं कुर्वन्ति? (वर्षा के समय मोर क्या करते हैं?)
उत्तर:
नृत्यन्ति (नाचते हैं)

(ग) वर्षाकाले के भान्ति? (वर्षा के समय कौन सुशोभित होते हैं?)
उत्तर:
वनान्ताः (वन-प्रदेश)

(घ) कः मृदङ्गनादम् करोति? (कौन मृदङ्गनाद करता है?)
उत्तर:
प्लवङ्गमः (मेंढक)

(ङ) घनोपगूढं किम्? (घने अन्धकार से आच्छादित कौन है?)
उत्तर:
गगनम् (आकाश)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत-(एक वाक्य में उत्तर लिखिए-)
(क) वारिधराः कुत्र विश्रम्य पुनः प्रयान्ति? (बादल कहाँ रुक कर फिर चलते हैं?)
उत्तर:
वारिधराः महीधराणां महत्सु श्रृङ्गेषु विश्रम्य पुनः प्रयान्ति। (बादल पर्वतों के ऊँचे शिखरों पर रुक कर फिर जाते (चलते) हैं।)

(ख) वर्षाकाले मृगेन्द्राः कीदृशाः भवन्ति? (वर्षा के समय सिंह कैसे होते हैं?)
उत्तर:
वर्षाकाले मृगेन्द्राः विक्रान्ततराः भवन्ति। (वर्षा के समय सिंह अत्यन्त पराक्रमशाली हो जाते हैं।)

(ग) वर्षाकाले धरणी कैः वितृप्ता भवति? (वर्षा के समय धरती किससे तृप्त होती है?)
उत्तर:
वर्षाकाले धरणी नवैः जलौधैः वितृप्ता भवति। (वर्षा के समय धरती नये जल से तृप्त होती है।)

(घ) वर्षाकाले के प्रशान्ताः भवन्ति? (वर्षा के समय कौन शान्त होते हैं?)
उत्तर:
वर्षाकाले प्रसराः निदाघदोषाः प्रशान्ताः भवन्ति। (वर्षा के समय फैले हुए गर्मी के दोष शांत हो जाते हैं।)

(ङ) सुरेन्द्रः कैः प्रक्रीडितः? (देवराज इन्द्र किससे खेलते हैं?)
उत्तर:
सुरेन्द्रः वारिधरैः प्रक्रीडितः। (देवराज इन्द्र बादलों से खेलते हैं।)

प्रश्न 3.
अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-(नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए-)
(क) वर्षाकाले वारिधराः कथं प्रयान्ति? (वर्षा के समय बादल कैसे चलते हैं?)
उत्तर:
वर्षाकाले वारिधराः सलिलातिभारं समुद्वहन्तः नदन्तः महीधराणां महत्सु शृङ्गेषु, विश्रम्य पुनः अग्रे प्रयान्ति।

(वर्षा के समय बादल पानी के भार को उठाते हुए, गरजते हुए पर्वतों की ऊँची चोटियों पर रुकते हुए चलते हैं।)

(ख) वर्षाकाले नद्यः कथं वहन्ति? (वर्षा के समय नदियाँ कैसे बहती हैं?)
उत्तर:
वर्षाकाले नद्यः प्रणष्टकूलाः विप्रतिपन्नमार्गाः जलं शीघ्रं प्रवहन्ति।

(वर्षा के समय नदियाँ जो टूटे हुए किनारों वाली तथा
अवरुद्ध मार्ग वाली हैं, उनका जल तेजी से बहता है।)

(ग) वनेषु सङ्गीतं कैः कथम् आविष्कृतम्?
(वनों में सङ्गीत किनके द्वारा कैसे बनाया जाता है?)
उत्तर:
वनेषु सङ्गीतं मेघमृदङ्गनादै। प्लवङ्गमोदीरितकण्ठतालम् आविष्कृतम्। (वनों में संगीत मेघ-मृदङ्ग की आवाजों से मेंढक की गले की ताल से बना।)

प्रश्न 4.
प्रदत्तशब्दैः रिक्तस्थानानि पूरयत? (दिए हुए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए-)
(मृगेन्द्राः, वनेषु, नराः, धरणी, वारिधरैः)
(क) प्रवासिनो यान्ति .... स्वदेशान्।
उत्तर:
प्रवासिनो यान्ति नराः स्वदेशान्।

(ख) वनेषु विक्रान्ततराः ....।
उत्तर:
वनेषु विक्रान्ततराः मृगेन्द्राः।

(ग) नवैर्जलौघैः .... वितृप्ता।
उत्तर:
नवैर्जलौघैः धरणी वितृप्ता।

https://www.evidyarthi.in/

(घ) प्रक्रीडितो .... सुरेन्द्रः।
उत्तर:
प्रक्रीडितो वारिधरैः सुरेन्द्रः।

(ङ) .... सङ्गीतमिव प्रवृत्तम्।
उत्तर:
वनेषु सङ्गीतमिव प्रवृत्तम्।

प्रश्न 5.
यथायोग्यं योजयत (उचित क्रम से जोड़िए-)

'अ'	'आ'
(क) नद्यः	1. वर्षन्ति
(ख) घनाः	2. वहन्ति
(ग) मत्तगजाः	3. नृत्यन्ति
(घ) वनान्ताः	4. नदन्ति
(ङ) शिखिनः	5. भान्ति

उत्तर:
(क) 2
(ख) 1
(ग) 4
(घ) 5
(ङ) 3

प्रश्न 6.
शुद्धवाक्यानां समक्षम् "आम्" अशुद्धवाक्यानां समक्षं "न" इति लिखत
(शुद्ध वाक्यों के सामने 'आम्' और अशुद्ध वाक्यों के सामने 'न' लिखिए-)
(क) प्रवासिनः नराः स्वदेशान् यान्ति।
(ख) विपुलाः वर्षप्रवेगाः पतन्ति।
(ग) प्लवङ्गमाः मृदङ्गनादं कुर्वन्ति।
(घ) नरेन्द्राः निभृताः।
(ङ) धरणी अतृप्ता।
उत्तर:
(क) आम्
(ख) आम्
(ग) आम्
(घ) आम्
(ङ) न।

प्रश्न 7.
अधोलिखितशब्दानां मूलशब्दं विभक्तिं वचनं च लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के मूलशब्द, विभक्ति और वचन
लिखिए-)

शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
यथा– नराः	नर	प्रथमा	बहुवचनम्
(क) शिखिनः			
(ख) प्लवङ्गमाः			
(ग) नद्यः			
(घ) जलम्			

उत्तर:

	शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	शिखिनः	शिखिन	प्रथमा	बहुवचनम्
(ख)	प्लवङ्गमाः	प्लवङ्गम्	प्रथमा	बहुवचनम्
(ग)	नद्यः	नदी	प्रथमा	बहुवचनम्
(घ)	जलम्	जल	प्रथमा	एकवचनम्

प्रश्न 8.
निम्नलिखितक्रियापदानां धातुं लकारं पुरुष वचनं च लिखत (नीचे लिखे क्रियापदों के धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए-)

क्रियापदम्	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
यथा– पतन्ति	पत्	लट्	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्
(क) यान्ति				
(ख) प्रवहन्ति				
(ग) प्रवान्ति				
(घ) ध्यायन्ति				

उत्तर:

	क्रियापदम्	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
(क)	यान्ति	या	लट् लकारः	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्
(ख)	प्रवहन्ति	प्र + वह्	लट् लकारः	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्
(ग)	प्रवान्ति	प्र + वा	लट् लकारः	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्
(घ)	ध्यायन्ति	ध्या	लट् लकारः	प्रथमपुरुषः	बहुवचनम्

प्रश्न 9.
अधोलिखितपदानां सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धिनाम लिखत. (नीचे लिखे पदों के सन्धि-विच्छेद करके सन्धि का नाम लिखिए)

https://www.evidyarthi.in/

पदम्	सन्धिविच्छेदः	सन्धिनाम
यथा –मृगेन्द्राः	मृग+इन्द्राः	गुणसन्धि
(क) नद्योजलम्		
(ख) घनोपगूढ़म्		
(ग) जलौघैः		
(घ) सहिमोऽद्य		

उत्तर:

पदम्	सन्धिविच्छेदः	संधिनाम
(क) नद्योजलम्	नद्यः + जलम्	विसर्ग संधि
(ख) घनोपगूढ़म्	धन + उपगूढ़म्	गुण संधि
(ग) जलौघैः	जल + ओघैः	वृद्धि सन्धि
(घ) सहिमोऽद्य	सहिमः + अद्य	विसर्ग संधि

प्रश्न 10.
अधोलिखितान् उपसर्गान् योजयित्वा शब्द निर्माणं कुरुत (नीचे लिखे उपसर्गों को जोड़कर शब्द बनाइए-)

उपसर्गः	+	मूलशब्दः	=	उपसर्गयुक्तशब्दः
यथा –प्रः	+	शान्तम्	=	प्रशान्तम्
(क) प्रति				
(ख) वि				
(ग) अधि				
(घ) सम्				
(ङ) उत्				

उत्तर:

उपसर्गः	+	मूलशब्दः	=	उपसर्गयुक्तशब्दः
यथा –प्रः	+	शान्तम्	=	प्रशान्तम्
(क) प्रति	+	कूलम्	=	प्रतिकूलम्
(ख) वि	+	देशम्	=	विदेशम्
(ग) अधि	+	कारः	=	अधिकारः
(घ) सम्	+	मानम्	=	सम्मानम्
(ङ) उत्	+	हारः	=	उद्धारः

प्रश्न 11.
अधोलिखितानां शब्दानां पर्यायशब्दान् लिखत (नीचे लिखे शब्दों के पर्यायवाची लिखिए)
यथा – वायु = पवनः
(क) नराः

(ख) वारिधराः
(ग) शिखिनः
(घ) प्लवङ्गमाः
(ङ) महीधराणाम्
उत्तर:
(क) मनुष्याः, जनाः
(ख) मेघाः
(ग) मयूराः
(घ) दुर्दराः
(ङ) नगालाम्।